कार अनियंत्रित होकर पलटी, पांच की मौत

जैसलमेर के रामगढ़ तनोट रोड पर रविवार सुबह हुआ हादसा

- छह नवम्बर को रामदेवरा के दर्शन कर रविवार सुबह तनोट माता जाने के लिए रवाना हुए थे मृतक
- मृतकों में चार एक ही परिवार के हैं तथा एक उनका रिश्तेदार है

श्रीगंगानगर, (निसं)। जैसलमेर के रामगढ़ तनोट रोड पर रविवार सुबह हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में शामिल पांच लोग श्रीगंगानगर के रहने वाले हैं। इनमें चार एक ही परिवार के हैं तथा एक उनका रिश्तेदार है। हादसे के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और खेतों में पलट गई। मृतकों में एक भाई-भाभी और बहन शामिल है। दोपहर में श्रीगंगानगर के गांव 13 क्यू में हादसे की सूचना पहुंची तो सन्नाटा पसर गया। परिवार के लोगों को दोपहर तक हादसे की जानकारी नहीं थी।

हादसे में मारा गया विशाल सहारण स्कूल संचालक है। वह पीलीबंगा में प्रकाश मॉडल स्कूल चलाता है। वहीं परिवार मुख्य रूप से खेती से जुड़ा हुआ है। तीन दिन पहले वह अपनी पत्नी रिंकू, बहन वर्षिका, मौसरे भाई अर्जित और परिवार की महिला अंजू के साथ जैसल मेर गया था। ये लोग पांच नवम्बर की शाम गांव से निकले थे। छह नवम्बर को इन लोगों ने रामदेवरा में दर्शन किए। इसके बाद रविवार सुबह ये लोग तनोट माता जाने के लिए रवाना हुए।

इसी दौरान रामगढ़ तनोट रोड पर हादसा हो गया। अचानक कार अनियंत्रित होकर पल टी और विशाल (32), उसकी पत्नी रिंकू (28), बहन वर्षिका (26), मौसरे भाई अर्जित (24) और अंजू (29) की मौके पर ही मौत हो गई। इन्हें रामगढ़ अस्पताल ले जाया गया। तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

कोटपूतली जेल में कैदी ने हाथ की नस काटी

पारिवारिक समस्या को लेकर मानसिक तनाव में बताया जा रहा है कैदी

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के रामसिंहपुरा स्थित सबजेल कोटपूतली में बंद एक बलात्कार के आरोपी द्वारा रविवार देर शाम हाथ की नश काट लेने से जेल प्रशासन में हड़कम्प मच गया। वहीं कैदी को जेल प्रशासन द्वारा आनन-फानन में लहुलुहान स्थिती में यहां के राजकीय बीडीएम अस्पताल पहुंचाया जहां उसका उपचार जारी है।

कार्यवाहक जेलर शंकर लाल ने जानकारी देते हुए बताया कि रवि कुमार पुत्र बाबुलाल मीणा निवासी गोविन्दपुरा द्वाबाई तहसील शाहपुरा बलात्कार का आरोपी था। जो करीब दो माह पूर्व ही सब जेल में आया था। जेलर के मुताबिक कैदी रवि कुमार पारिवारिक समस्याओं को लेकर मानसिक तनाव में चल रहा था। जिसके चलते उसने देर शाम शौचालय में जाकर किसी नुकीली वस्तु से अपनी हाथ की नश काट ली।

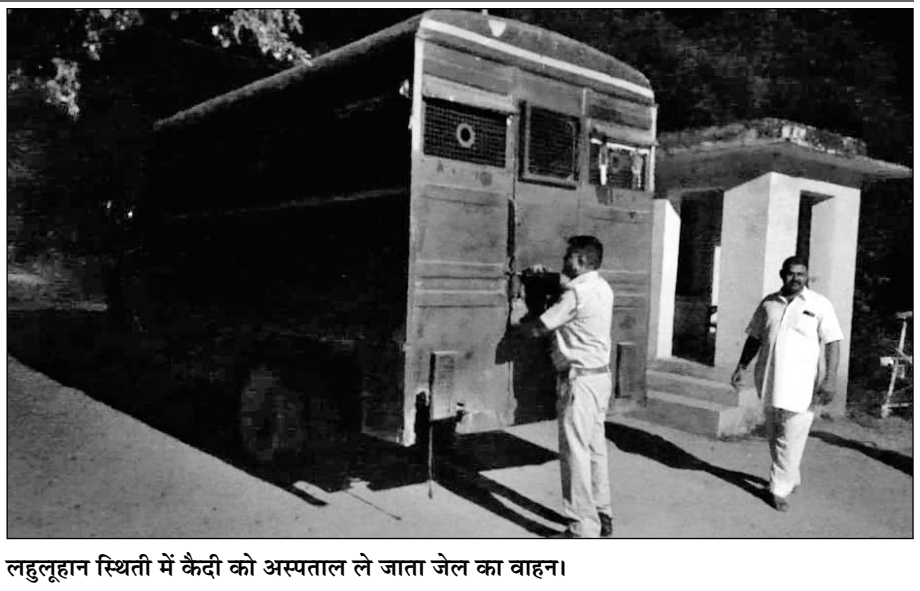

लहुलूहान स्थिती में कैदी को अस्पताल ले जाता जेल का वाहन।

नाबालिग से दुष्कर्म का अपचारी निरुद्ध

मंडावरी, (निसं)। थाना क्षेत्र के एक ग्राम में दीपावली के दिन खेत पर दीपक जलाने गई नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म करने के नाबालिग अपचारी को पुलिस द्वारा वारदात के तीन दिन बाद निरुद्ध कर लिया गया। दुष्कर्म मामले की गंभीरता को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल ने टीम का गठन किया। टीम ने आरोपी को पकड़ लिया गया। दुष्कर्म की पीड़िता भी नाबालिग है तो दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने वाला आरोपी भी नाबालिग है। पीड़ित नाबालिग बालिका के पिता ने मंडावरी थाने पर प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी नाबालिग पुत्री चार नवंबर को शाम पांच बजे खेत पर दीपक जलाने के लिए गई थी। इसी दौरान पड़ोसी खेत के नाबालिक बालक द्वारा उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया था।

पैंथर ने गाय का शिकार किया

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती मोही कस्बे के दडा क्षेत्र के पास बीती रात को पैंथर ने गाय के बछडे का शिकार कर लिया। गांव के हर्षवर्धन पहाडिया ने बताया कि मध्य रात्रि के समय दडा के पास स्थित मंदिर के पीछे एक पैंथर को घूमते देखा गया। जिस पर गाडी में सवार दो युवकों ने वीडियो बना लिया। सवेरे देखा तो उसी क्षेत्र में एक गाय का बछडा मृत अवस्था में पाया गया, युवाओं ने बताया कि उसी पैंथर ने गाय के बछडे का शिकार किया है। पैंथर के आबादी के पास आने से ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है। इस समय ग्रामीणों का अधिक समय खेतों में व्यतीत होता है, किसान सवेरे उठते ही खेतों में चले जाते हैं तथा देर शाम तक घर को लौटते हैं ऐसी स्थिति में गांव के पास पैंथर देखने की खबर को लेकर ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है।

गलत ओएमआर शीट पर बोर्ड ने लिया संज्ञान

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट) 2021 में प्रविष्ट हुए ऐसे परीक्षार्थी जिन्हें स्तर प्रथम की परीक्षा के दौरान स्तर द्वित्तिय की अथवा स्तर द्वितीय की परीक्षा के दौरान स्तर प्रथम की ओएमआर शीट परीक्षा केन्द्र पर दी गई अथवा जिन्होंने ओएमआर शीट पर अपनी परीक्षा बुकलेट की सीरीज का अंकन गलत किया हो, ऐसे परीक्षार्थी अपनी आपत्ति रीट की वेबसाइट पर सोमवार से 13 नवंबर तक निशुल्क दर्ज करा सकते हैं। आपत्ति दर्ज कराने के लिए परीक्षार्थी को अपना प्रवेश पत्र और ओएमआर शीट की परीक्षार्थी प्रति को स्कैन कर रीट की वेबसाइट पर दर्ज करना होगा। बोर्ड अध्यक्ष जारोली ने बताया कि बोर्ड को कुछ परीक्षार्थियों से ऐसी शिकायतें मिली हैं कि उन्हें परीक्षा केंद्र पर वांछित स्तर की परीक्षा की ओएमआर शीट नहीं दी गई, जिसके कारण उनके परीक्षा में अंक कम आए। बोर्ड ऐसी आपत्तियों पर त्वरित कार्यवाही करेगा।

नाबालिग छात्रा ने बेटी को जन्म दिया

- चचेरा भाई ही निकला आरोपी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में 10 वीं क्लास की छात्रा ने बेटी को जन्म दिया है। 15 वर्षीय नाबालिग को प्रसव पीड़ा के चलते शुक्रवार को उम्मेद अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। बताया जा रहा है कि चचेरे भाई ने उसके साथ रेप किया था। चचेरा भाई भी नाबालिग है। पुलिस अब आरोपी भाई की तलाश कर रही है। दरअसल, अस्पताल में भर्ती होने की सूचना के बाद बाल कल्याण समिति ने नाबालिग की काउंसिलिंग की। उसने अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी। इस पर बाल कल्याण समिति ने पुलिस को जानकारी दी।

नाबालिग की मां का कहना है कि वह नवजात को नहीं पालेंगे, उसे शिशु गृह के सुपुर्द करेगें। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष डॉ धनपत गुर्जर ने बताया कि जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। उसके परिजन इस बच्चे को नहीं पालना चाहते। उन्होंने बताया कि समिति के सहयोग से बच्चे को शिशु गृह को सपुर्द किया जाएगा। आरोपी परिवार का सदस्य होने के चलते नाबालिग व उसकी मां ने चुप्पी साध ली है। बेटी के प्रेग्नेंट होने का पता मां को चल गया था, लेकिन मां ने भी किसी से शिकायत नहीं की क्योंकि आरोपी युवक परिवार का ही सदस्य था। आरोपी नाबालिग का पीड़िता के घर आना-जाना था। बताया जा रहा है कि दोनों दसवीं कक्षा में साथ पढ़ते थे। पीड़िता व आरोपी एक ही कक्षा में पढ़ ते थे। बताया जा रहा है कि गर्मियों की छुट्टियों में पीड़िता के घर चचेरे भाई ने उसके साथ दुष्कर्म किया। शर्म के मारे वह नहीं बोली, जिसका फायदा उठाकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। इस कारण वह गर्भवती हो गई।

बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्र में जागरुकता की कमी के चलते बालिकाएं इस तरह से दुष्कर्म की शिकार हो रही हैं। अधिकतर मामले में आरोपी परिवार का सदस्य ही होता है। ऐसे में पीड़िता व उसका परिवार चुप्पी साध लेता है।

पानी की टंकी धमाके साथ फटी

अजमेर, (कासं)। आदर्श नगर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक अंध विद्यालय में लगी प्लास्टिक की पानी की टंकी तेज धमाके के साथ फट गई। अचानक तेज धमाके से जिस पट्टी पर पानी की टंकी रखी थी वह भी टूट कर नीचे आ गिरी। रविवार की छुट्टी होने के चलते हादसा नहीं हुआ अन्यथा बडी दुर्घटना घटित हो सकती थी।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि आदर्श नगर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक अंध विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों को पेयजल मुहैया कराने वाली छत पर रखी थी प्लास्टिक की पानी की टंकी। गनीमत रही कि रविवार का दिन होने की वजह से स्कूल की छुट्टी थी अन्यथा कोई बड़ी दुर्घटना या हादसा भी हो सकता था। उन्होंने बताया कि आवाज सुनकर वे मौके पर पहुंचे हैं और प्रधानाध्यापक अर्पण को भी फोन कर जानकारी दी, वह भी मौके पर आ गई। प्रथम दृष्टया टंकी फटने का कारण टंकी का ज्यादा पुरानी होना माना जा रहा है। प्रधानाध्यापक अर्पण ने बताया कि फिलहाल नई टंकी रखवाई जा रही है।

पुलिस ने धोरों में छिपाई आधा दर्जन भट्टियां नष्ट की

- श्रीडूंगरगढ़ के पूंदल सर गांव में हर रोज बनती है अवैध शराब

बीकानेर, (निसं)। एक तरफ जहां अवैध शराब से बड़ी संख्या में लोगों की मौतों की खबर आ रही है, वहीं दूसरी तरफ बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में पूंदल सर गांव में ये धंधा धड़ल्ले से चल रहा है। श्रीडूंगरगढ़ पुलिस ने रविवार को करीब आधा दर्जन भट्टियां नष्ट कर दी लेकिन पुलिस को पूरी आशंका है कि कुछ दिन बाद ही दूसरी जगह फिर से भट्टी बन जायेंगी।

श्रीडूंगरगढ़ से बीकानेर की तरफ बेणीसर गांव के पास ही पुंदल सर गांव है। गांव में रहने वाले कुछ लोग अवैध रूप से शराब बनाकर बेचते हैं। श्रीडूंगरगढ़ पुलिस और आबकारी विभाग समय समय पर यहां भट्टियों को नष्ट करते रहे हैं लेकिन इसके बाद भी अवैध शराब का कारोबार बंद नहीं हो रहा है। रविवार को भी श्रीडूंगरगढ़ पुलिस ने कई जगह अवैध शराब बनाने की भट्टियों को नष्ट किया। पुलिस को आशंका है कि कुछ ही दिनों में कहीं ओर फिर से अवैध शराब बनाने का काम शुरू हो सकता है।

दरअसल , पिछले दिनों बिहार में अवैध शराब पीने से एक ही दिन में कई लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद बीकानेर पुलिस भी ऐसे ठिकाने ढूंढने में लगी हुई है। आबकारी पुलिस ने भी ने अवैध शराब बनाने वालों की धरपकड़ शुरू की। आबकारी पुलिस के साथ मिल कर पुलिस ने रविवार को पुंदल सर गांव में सर्च अभियान चल ाया। इस दौरान रेत के धोरों में बन रही अवैध शराब की भट्टियां मिली। पुलिसकर्मियों ने ल ट्ठ और अन्य भारी सामान से इन भट्टियों को तोड़ दिया। इसमें बनी अवैध शराब को भी नष्ट कर दिया।

सड़क हादसे में दो की मौत

उदयपुर, (कासं)। फलासिया थाना क्षेत्र कोल्यारी में कोल्यारी रोड़ पर दो बाइक के टकराने से युवक सहित दो जनों की मौत हो गई तथा चार जने घायल हो गए। शनिवार सांय फलासिया थाना क्षैत्र कोल्यारी गांव रोड़ पर हुए सड़क हादसे में नालवा सोम निवासी लोकेश (27) पुत्र नाथूलाल बूम्बड़िया, कमला देवी पत्नी लोकेश, रमेश (25) पुत्र कावा मीणा,अंजली (2) पुत्री लोकेश मीणा, अजय (1) पुत्र लोकेश मीणा तथा खरड़िया निवासी मालूराम (30)पुत्र सरदाराम, लसूनी बाई उर्फ राजुड़ी (50) पत्नी सरदाराम घायल हो गए। रमेश परिजनों को लेकर झाडोल से फलासिया जा रहा था। इस दौरान अन्य बाइक पर सवार मालूराम फलासिया से झाड़ोल जा रहा था। जहां बीच रास्ते दोनों बाइक की आमने सामने भिडंत हो गई। सूचना मिलने पर फलासिया थानाधिकारी रामनारायण मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच कर सभी घायलों को उपचार के लिए झाड़ोल चिकित्सालय पहुंचाया जहां रमेश की मौत हो गई तथा शेष घायलों को उदयपुर रैफर किया।

फावड़ा मारकर सास की हत्या करने वाली बहू गिरफ्तार

- जमीन बेचने से प्राप्त रूपयों को लेकर दोनों के बीच होता रहता था विवाद

उदयपुर, (कासं)। आपसी विवाद में फावड़े से हमला कर सास की हत्या करने वाली बहू को पुलिस ने गिरफ्तार किया। शहर के हिरणमगरी थाना क्षेत्र पाराखेत कलडवास निवासी गोपीलाल ने 13 अक्टूबर 2021 को पुलिस थाने में रिपोर्ट दी थी ।

मामले में प्रकरण दर्ज होने के बाद 28 अक्टूबर को जीवली की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। इस पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। इस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. राजीव पचार के निर्देश पर गठित टीम ने हत्या के आरोपी पाराखेत कलड़वास निवासी पुष्पा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भिजवाया।

पूछताछ में पता चला कि पुष्पा का उसकी सास जीवली से उसके पास रखे जमीन बेचने से प्राप्त रूपयों की मांग को लेकर दोनों के बीच आए दिन झगड़ा होता रहता था। जीवली रूपये नहीं देना चाहती थी। जिससे पुष्पा परेशान थी। बडे बेटे के पास रहने के कारण पुष्पा वारदात को अंजाम नहीं दे पा रही थी। घटना वाले दिन बड़ा पुत्र परिवार सहित वल्लभनगर गया। तब मौका देख कर वारदात को अंजाम दे कर भाग गई।

सास की हत्या करने करने वाली बहु पुलिस गिरफ्त में।

दो बच्चों की मां ने फांसी लगा कर आत्महत्या की

धौलपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के खेरा गांव में शनिवार रात दो बच्चों की मां ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला मानसिक रूप से बीमार थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर अस्पताल पहुंचाया।

पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। चौकी प्रभारी रघुवीर सिंह ने बताया कि रोशनी (32) पत्नी विनोद ने पंखे पर साड़ी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। पुलिस को महिला के पति ने बताया कि उसकी पत्नी को पिछले 2 महीने से पागलपन के दौरे आते थे। जिस कारण उसके पास ना कोई रहता था। शनिवार रात घरवालों से नजर बचाकर अपने कमरे में चली गई। काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आने पर देखा तो फंदे पर लटकी मिली। चौकी प्रभारी ने बताया कि महिला की शादी को 9 साल हुई थे। एक 7 साल का और एक 5 साल का बेटा भी है। चौकी प्रभारी ने बताया कि आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है।

गर्भवती महिला के पेट में शराबी पति ने मारी कांच की बोतल

अनूपगढ़, (निसं)। कस्बे के वार्ड नंबर 3 में एक व्यक्ति ने शराब के नशे में अपनी गर्भवती पत्नी के पेट में कांच की बोतल मार कर घायल कर दिया। घायल महिला पांच माह की गर्भवती थी।

घटना के बाद आरोपी व्यक्ति मौके से फरार हो गया। महिला को राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया। जहां चिकित्सकों ने महिला की गंभीर हाल त को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद रैफर कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल महिला नीटू का विवाह 4 वर्ष पूर्व वार्ड नम्बर तीन निवासी गुरदास के साथ एवं उसकी सगी बहन प्रीतपाल कौर का विवाह धर्मेंद्र के साथ एक ही परिवार में दो सगे भाइयों के साथ हुआ था। पुलिस ने बताया कि धर्मेंद्र सिंह अपने घर पर शराब के नशे में आया और अपनी पत्नी प्रीतपाल कौर से मारपीट करने लगा। घटना के वक्त मौके पर प्रीतपाल कौर की बहन (देवरानी) नीटू भी मौजूद थी। धर्मेंद्र सिंह द्वारा मारपीट करने पर नीटू ने बीच-बचाव करते हुए उसे अपने घर ले आई। प्रीतपाल कौर को घर पर देखते ही नीटू का पति गुरदास सिंह नाराज होकर नीटू के साथ मारपीट करने लगा। जिसके बाद प्रीतपाल कौर वहां से वापस अपने घर के लि ए रवाना हो गई। इस दौरान दोनों में बातचीत बढ़ गई और गुरदास सिंह ने बोतल को तोड़ कर अपनी गर्भवती पत्नी नीटू के पेट पर बोतल के कांच से हमला कर दिया। जिसमें नीटू गंभीर घायल हो गई। नीटू के शोर मचाने पर गुरदास सिंह मौके से भाग गया। शोर सुनकर आस-पड़ोस के ल ोग आए और नीटू को राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया । जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद नीटू को रैफर कर दिया।

पेड़ से लटककर खुदकुशी की

किशनगढ़ बास, (निसं)। अलवर किशनगढ़ बास मार्ग पर घासोली के पास एक युवती ने जंगल में जाकर पेड़ से लटक कर खुदकुशी कर ली। बहला-फुसलाकर भगा कर ले गए युवती को परिवार जन गाडी में बैठा कर घर ले जा रहे थे रास्ते में युवती ने पेशाब के बहाने गाडी रुकवाई और अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल में जाकर पेड़ से लटक गई। गांव धानेटा राजगढ़ निवासी सुखबीर सिंह पुत्र बाबूलाल ने पुलिस को बताया कि 20 अक्टूबर 2021 को गांव गोठडा से तंत्र विद्या कर देवसिंह युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले गया। फोन ट्रेसिंग की लोकेशन के अनुसार देवी सिंह और युवती को विकास नगर मोहन गार्डन से गाड़ी में बैठा कर गांव लेकर आ रहे थे। सुखबीर ने पुलिस को बताया कि घासोली के पास युवती अंधेरे का फायदा उठाकर गायब हो गई। करीब 40 मिनट तक मोबाइल की टॉर्च से आस-पास तलाश किया लेकिन कहीं दिखाई नहीं दी। लगभग 1 घंटे बाद एक व्यक्ति की सूचना पर लडकी पेड से लटकी मिली।

हनुमानगढ़ में ज्यादातर क्लासिकल डेंगू बुखार के केस

- डेंगू हॅमरेजिक बुखार व डेंगू शॉक सिंड्रोम ज्यादा खतरनाक है
- दस हजार से कम प्लेटलेट्स काउंट होने पर प्लेटलट्स की जरूरत होती है
- जनवरी 2021 में अब तक एलाइजा टेस्ट में 195 डेंगू रोगी मिले हैं

हनुमानगढ़, (निसं)। डेंगू के डंक से बचना जरूरी है। साथ ही इससे डरने के बजाय समझना बेहद आवश्यक है क्योंकि डेंगू बुखार तीन तरह के होते हैं। इनमें से सर्वाधिक क्लासिकल डेंगू बुखार के केस ही अधिक मिलते हैं जो ज्यादा घातक नहीं है। जिले की बात करें तो यहां भी क्लासिकल डेंगू बुखार के केस ही ज्यादा मिले हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत शर्मा ने पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि क्लासिकल डेंगू बुखार से गले में हल्का दर्द, त्वचा पर लाल रेश व दाने, भूख में कमी, मांसपेशी में दर्द आदि लक्षण होते हैं। इसके लिए कोई विशेष या अलग से दवा की जरूरत नहीं होती है। केवल पैरासिटामोल का ही इसमे रोल है।

रोगी घर पर रहकर खूब आराम करे। तरल पदार्थ का अधिकाधिक सेवन करे। इससे वह ठीक हो जाता है। प्लेटलेट्स को लेकर भी रोगी व उसके परिजन घबराएं नहीं। जब दस हजार से कम प्लेटलेट्स काउंट हो तो रोगी को प्लेटलट्स की जरूरत होती है। इसके अलावा डेंगू हॅमरेजिक बुखार व डेंगू शॉक सिंड्रोम होता है। नाक व मसूढ़ों से खून, शौच व उल्टी में खून, त्वचा पर गहरे काले-नीले रंग के चकते पडना आदि डेंगू हॅमरेजिक बुखार के लक्षण हैं। वहीं डेंगू शॉक सिंड्रोम में ज्यादातर लक्षण हॅमरेजिक बुखार वाले होते हैं। इसके अलावा रोगी बैचेन महसूस करता है। बुखार के बावजूद उसे ठंड ल गती है। रोगी धीरे-धीरे होश खोने लगता है। यह गंभीर स्थिति है। वार्ता के दौरान कोटपा के जिला प्रभारी निपेन शर्मा, आरसीएचओ डॉ. विक्रम सिंह, डीईओ त्रिलोकेश्वर शर्मा, आईईसी कॉर्डिनेटर मनीष शर्मा आदि मौजूद रहे।

जिला कोविड प्रभारी डॉ. रविशंकर शर्मा ने बताया कि जिले में जनवरी 2021 में अब तक एलाइजा टेस्ट में 195 डेंगू रोगी मिले हैं। अब तक जिले में किसी डेंगू रोगी की ऑन रिकॉर्ड डेथ नहीं हुई है।

खेलते समय चोट लगने से खिलाड़ी की मौत

बौली/बामनवास, (निसं)। क्षेत्र के रवासा निवासी दामोदर गुर्जर की पीपलू के नवरंग पुरा गांव में तीन दिवसीय कबड्डी टूर्नामेंट में भाग लेते समय खेलने के दौरान चोट लगने से मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार रवासा निवासी दामोदर गुर्जर पीपलू तहसील के नवरंग पुरा गांव में तीन दिवसीय कबड्डी टूर्नामेंट में चाकसू की ओर से कबड्डी मैच खेल रहा था। इसी दौरान दामोदर दूसरी तरफ जब पाली देने गया तो उसे विपक्षी टीम ने दबोच लिया जिससे वह बेहोश हो गया। उसे तुरंत उपस्थित खिलाड़ी व ग्रामीणों ने चिकित्सालय पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सड़क दुर्घटना में दम्पती की मौत

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के दिल्ली जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गोरधनपुरा पुलिया के पास राजनौता मोड पर एक बाईक सवार दम्पती को ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे उनकी घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

बीडीएम पुलिस चौकी प्रभारी भवानी सिंह ने जानकारी देते हुए बताया की बाईक सवार महावीर सिंह पुत्र भगवत सिंह व कृष्णा कंवर पत्नी महावीर सिंह राजपूत निवासी कुजोता थाना सरूण्ड को लहुलुहान स्थिती में राजकीय बीडीएम अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

गांधीवादी नेता एवं पूर्व पी.डब्लू.डी. मंत्री जयनारायण पूनियां का निधन

शव यात्रा में राजगढ, तारानगर और हरियाणा से आए लोग शामिल हुए

सादुलपुर, (निसं)। कृतित्व ईमानदारी व सादा जीवन व्यक्तित्व के रूप में जाना-जाने वाले राजस्थान के व्योवृद्ध गाँधीवादी, आदर्शवादी व सत्यनिष्ठ पूर्व पी.डब्लू.डी. मंत्री एवं तारानगर के पूर्व विधायक जयनारायण पूनिया ने रविवार प्रात: हिसार के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली । उनका अंतिम संस्कार रविवार दोपहर को राजगढ मोक्षभूमि में किया गया। वहीं उनकी शव यात्रा में राजगढ, तारानगर और हरियाणा से आये हजारों आगंतुकों, समर्थकों ने उन्हें अंतिम विदाई दी । तथा उनके ज्येष्ठ पुत्र प्रो.दिलीप पूनिया प्राचार्य लोहिया कॉलेज चूरू ने मुखाग्नि दी।

साथ में उनके पुत्र डीवाईएसपी (महिला अपराध शाखा) गंगानगर नरेंद्र पूनिया एवं वीरेंद्र शेरू एवं उनके भतीजे भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष महावीर पूनियां, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता प्रताप सिंह पूनियां आदि ने मुखाग्नि दी। पूनियां की शव यात्रा में राजगढ़ विधायक पदमश्री डॉ. कृष्णा पूनिया, मुख्य खेल अधिकारी वीरेंद्र पूनिया, तारानगर विधायक नरेंद्र बुडानिया, भाजपा नेता एव सामाजिक कार्यकर्ता एडवोकेट सुभाष राठौड़ मानपुरा, जिला प्रमुख वंदना आर्य, पूर्व सांसद रामसिंह कस्वा, पूर्व विधायक नन्दलाल पूनिया, पूर्व संसदीय सचिव इंद्र सिंह पूनिया, पूर्व विधायक मनोज न्यांगली, राकेश जांगिड, पूर्व उपजिला प्रमुख सुरेंद्र स्वामी, करतारसिंह पूनिया एडीएम हनुमानगढ़, सीईओ जिला परिषद रामनिवास जाट, भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी के ओम सारस्वत तथा जिलापरिषद सरपंच, बीडीसी मेंबर, तारानगर प्रधान संजय कस्वां, डॉ.सुभाष गोस्वामी, कुलदीप पूनिया एनएसयूआई आदि सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि,अधिकारी कर्मचारी व ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि राजगढ तहसील के गांव लाखलाण बडी के मूल निवासी गांधीवादी नेता जयनारायण सामान्य कृषक परिवार में जन्मे थे। तथा लॉ करने के बाद उन्होंने राजगढ में वकालत शुरु कर दी थी। पूनियां सन् 1977 में भैरों सिंह शेखावत की जनता पार्टी सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे एवं उस समय राजगढ से ही विधायक रहे थे। इसके अलावा सन 1985 में तारानगर से तथा 2013 में पुन: तारानगर से विधायक रहे 90 वर्षीय जयनारायण पूनिया का ब्रेन हैमरेज के साथ-साथ दिल का दौरा पडने से देहांत हो गया है। ज्ञातव्य है कि इस दीपावली पर्व की रामा-श्यामा करते रहे सांय 8 बजे तक बिल्कुल स्वस्थ थे, परंतु उन्हें शाम 7 बजे ब्रेन हैमरेज के साथ-साथ दिल का दौरा पडने पर हिसार के एक निजी अस्तपाल में भर्ती करवाया गया। मगर रविवार सुबह उनका देहांत हो गया। शव यात्रा सिल्वर फैक्ट्री, दरवाजे से घण्टाघर नगरपालिका होते हुए मुख्य बाजार से गुजरी तथा पुष्प वर्षा, भजनकीर्तन करते हुए उनके पार्थिव शरीर को पुष्प मालाओं से लाद दिया गया। जय जय कार व अमर रहे के चिरस्मृति के नारों के साथ गमगीन अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विदाई दी। इससे पूर्व उनके निवास पर पुष्प चक्र अर्पित करते हुए श्रद्धा व्यक्त की। गौरतलब है कि पूनियां की छाप एक गांधीवादी नेता के रूप में रही है ।

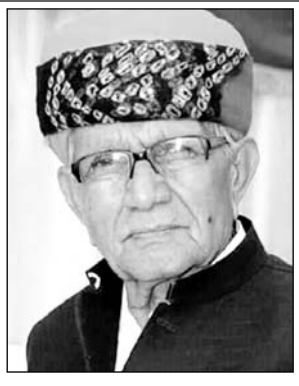

जयनारायण पूनियां

पूर्व पी.डब्लू.डी. मंत्री जयनारायण पूनियां की शव यात्रा में शामिल राजनेता एवं ग्रामीण।